पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश – सितम्बर, 2020

1. महीने के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां: अनुबंध I में दी गई हैं।

2. व्यापक अंतर - मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण आयोजित महत्वपूर्ण नीतिगत पहलू/ मामले: शून्य

3. सचिवों की समिति केनिर्णयों का अनुपालन:

क्रम सं	**अनुपालन के लिए लंबित सचिवों की समितिकेनिर्णयों की संख्या**	**प्रस्तावित कार्य योजना समय / सीमा**	**टिप्पणियां**
1.	दिनांक 14/08/2014 क्रिल मछली पकड़ने काप्रस्ताव पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर क्रिल मछली पकड़ने में विभिन्न देशों के अनुभव का अध्ययन करेगा ताकि भारत उनके अनुभवों से सीख सके। विदेश मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से उन देशों की जांच और पहचान करेगा जिनके साथ भारत क्रिल मछली पकड़ने के लिए सहयोग कर सकता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने में भारतीय उद्योग के हितों का पता लगाएगा और विदेशी कंपनियों के साथ सीधे सहयोग करने वाली भारतीय कंपनियों की व्यवहार्यताका भी पता लगाएगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रावधानों के भाग के रूप में मसौदा कानून को अंतिम रूप देने से पहले अन्य सदस्य देशों द्वारा अधिनियमित कानूनों का अध्ययन करेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़नेसे संबंधित मांग विश्लेषण, वित्तीय व्यवहार्यता, उद्योग के हितों, अन्य देशों के अनुभवों, मछली पकड़ने के लाइसेंस के लिए मापदंड, मौजूदा ज्ञान की कमीआदि का विस्तृत ब्यौरा संबंधित दस्तावेज़ प्रस्तुत करेगा।इसके बाद, भारत वाणिज्यिक क्रिल मछली पकड़ने में संलग्न होगाया नहीं इसपर निर्णय लेने के लिए सचिवों की समिति कीपुनःबैठक होगी।	मंत्रालय ने क्रिल मछली पकड़ने के पहलू की जांच कर ली है। जापान और नॉर्वे ने विशेषज्ञता विकसित की है और इन देशों को क्रिल मछली पकड़ने मे सहयोग करने के लिए अस्थायी रूप से चिन्हित किया गया है। उनके अनुभव प्राप्त हुए हैं। क्रिल मछली पकड़ने के लिए भारतीय उद्योग से संपर्क किया गया है ताकि उनके हितों का पता लगाया जा सके। हालाँकि, अभी तक हमें कोई प्रतिक्रिया नहीं प्राप्त हुई है।मसौदा पेपर तैयार किया गया है और कैबिनेट सचिवालय के सुझाव प्राप्त हुएहैं।	क्रिल मछली पकड़ने के लिए नॉर्वे के सहयोग के लिए नीति आयोगके माध्यम से प्रस्ताव भेजा गया है।

- **मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित अभियोजनके लिए स्वीकृति के मामले:** शून्य
- **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार की स्थापित कार्य व्यवहारव्य- नियमों में छूट दी गयी है:** शून्य
- **ई- प्रशासन के कार्यान्वयन की स्थिति :** कार्यान्वित किया जा रहा है।
- **लोक शिकायतों की स्थिति:**

महीने के दौरान निबटायी गई लोक शिकायतों की संख्या	महीने के अंत में लंबित लोक शिकायतों की संख्या
24	14

8. शासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय /विभागों द्वारा उठाए गए विशिष्ट उपायों की सूचनाएं ।

सैटेलाइटद्वारा समुद्र की सतह का तापमानऔर क्लोरोफिल जैसे व्युत्पन्न मापदंडों का उपयोग करके संभावित मछली पकड़ने के क्षेत्र की परामर्शिकाएं सृजित की जाती हैं। इसके अलावा, शॉर्ट रेंज और मीडियम रेंज वेदर का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइटके डेटा का सतत रूप से उपयोगकिया जाता है।

9. (i) **मंत्रालय विभाग और उसके संगठनों के एसीसी के दायरे (मंत्रीमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति) में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा AVMS (ए.सी.सी. रिक्ति निगरानी प्रणाली) पर अद्यतन किया गया है:** इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय / विभाग और उसके संगठनों के एसीसी के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्योरा AVMS पर अद्यतन किया गया है और ब्यौरा अनुबंध- II में दिया गया है।

(ii) **एसीसी के निर्देशों के अनुपालन के बारे में स्थिति:**इस बात की भी पुष्टि की जाती है कि एसीसी के निर्देशों का अनुपालन किया जाता है।

(iii) **उन मामलों की स्थिति, जहां PESB (सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड) से सिफारिशें प्राप्त हुई हैं, लेकिन प्रस्तावों को अभी तक एसीसी सचिवालय को प्रस्तुत किया जाना है**:शून्य

*****

अनुबंध-I

लिए गए महत्वपूर्ण नितिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:-

1. परिमाणात्मक रुप से, अखिल भारतीय मानसून ऋतु वर्षा 1961-2010 के आंकड़ों के आधार पर (इसकी औसत दीर्घावधि (एलपीए) का 109% 88.0 सें.मी. की औसत दीर्घावधि की तुलना में 1 जून से 30 सितंबर, 2020 के दौरान 95.8 सें.मी. थी। सामान्यत: इस वर्ष देश में वर्षा का अच्छा वितरण रहा।
2. पृथ्वी विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग हेतु निम्नलिखित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
   (क) 9 सितम्बर, 2020 को समुद्री जीव-विज्ञान, सूक्ष्म जीव-विज्ञान, और जैव प्रौद्योगिकी में सहयोगात्मक अनुसंधान हेतु पाण्डिचेरी विश्व विद्यालय और राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी)।
   (ख) 18 सितम्बर, 2020 को बड़े पैमाने पर खरपतवार, शैवाल कलचर और विलवणीकरण में सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए वैज्ञानिक और औद्योगिकी अनुसंधान परिषद-केंद्रीय नमक और समुद्री रासायनिक अनुसंधान (सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई), भावनगर, गुजरात।
   (ग) डॉप्लर मौसम रडार की स्थापना हेतु भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी)
3. समुद्र प्रौद्योगिकी में स्टार्टअप की सुविधा के लिए एनआईओटी चेन्नई में एक इन्क्यूबेशन सेन्टर लांच किया गया।
4. एम.टी.न्यू. डायमंड पोत, में आग लगन के कारण तेल के फैलाव के भय के संदर्भ में भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवाएं केंद्र (इंकॉइस) में श्रीलंकन मेट विभाग को ऑयल ट्राजैक्ट्री पैटर्न प्रदान किया गया जिसकी प्रशंसा की गई।

कोविड 19 के कारण लाकडाउन के संबंध में सरकार द्वारा जारी किए गए सभी निर्देशों/ दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाता है।

कैबिनेट के समक्ष ऐसा कोई मामला लंबित नहीं था जिसमे कैबिनेट के निर्णय / अनुमोदन की आवश्यकता अपेक्षित हो।

न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन:

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता (पीपीपी) मोड के माध्यम से देश में एसएमएस और आईवीआर तकनीक के माध्यम से प्रयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट एडवाइजरी का प्रसारण जारी है। वर्तमान समय में, देश में 42.57 मिलियन किसानों को सीधे एसएमएस के माध्यम से परामर्शिकाएं प्राप्त हो रही हैं।

वायुमंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक कितने प्रारंभ हुए	महीने के दौरान स्थापित	डेटा रिपोर्टिंग
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	322*	--	271
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	356**	--	315
GPS सोंदे आधारित RS / RW (रेडियों सौंदे /रेडियो विण्ड) स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार (DWR)	25***	--	24
ओजोन(ओजोन सोंदे+कुल ओजोन	04	--	04
सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल विधि)	07	--	07
नेफेलोमीटर	12	--	12
स्वाई रेडिओमीटर	20	--	17
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (SAFAR)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	9 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)
हाइड्रोमेट (AWS और ARG को छोड़कर IMD और अतिरिक्त विभागीय	---	--	3214
विमानन	79	--	79
रेडिरेशन स्टेशन	46	---	46

*कुल 722 मे से 400 पुराने है ।
**कुल 1356 में से 1000 पुराने हैं।
*** इसके अलावा,2 डॉपलर मौसम राडार इसरो के हैं।
माह के दौरान भुवनेश्वर, काकीनाड़ा, पुरी, ओंगल, कद्दालोर (तमिलनाडु) में उच्च वायु तीव्रता रिकार्डिंग प्रणालियों स्थापित की गई हैं।

मॉडलिंग

सितम्बर, 2020 के दौरान प्रत्येक सप्ताह प्रत्येक वृहस्पतिवार, राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ) वर्षा स्तर तापमान और वायु हेतु अगले चार सप्ताहों तक युग्मित मॉडल आधारित विस्तृत रेंज पूर्वानुमान अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी)/ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), बर्फ और हिमस्लन अध्ययन प्रतिष्णन एस.ए.एम.ई)/ रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), भारतीय वायु सेना (आईएएफ) नेवी, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) सही समय पर पूर्वानुमान उपलब्ध कराया गया है और (viii) बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (विमस्टेक) देशों हेतु बंगाल की पहल को रियल टाइम में प्रदान किए गए ।

मासिक मौसम सार (सितम्बर,2020)

(क) माह के दौरान महत्वपूर्ण मौसम घटनाएं

निम्न दाब प्रणाली :- माह के दौरान, 6-9, 13-16 और 20-30 सितम्बर, 2020 के दौरानअरब सागर में एक और बंगाल की खाड़ी में दो सहित तीन निम्न दबाव बनें। इस दबाव प्रणाली से माह के दौरान दक्षिणी पूर्वी, मध्य, पश्चिमी और पश्चिमोत्तर भारत में अति तीव्र और व्यापक वर्षा का कारण हुई। इन दबाव प्रणालियों के साथ तीव्र से अति तीव्र वर्षा घटनाओं के साथ व्यापक वर्षा/गरजना विशेषकर जो अंतिम निम्न से संबंधित थी, के कारण पूर्वी उ.प्र., बिहार और उप-हिमालय, प. बंगाल में अति तीव्र वर्षा हुई ।

(ख) वर्षा परिदृश्य: सितम्बर, 2020 माह मे समग्र देश के लिए वर्षा 177.3 मी.मी. दर्ज की गई है जो इसकी 170.2 मी.मी. की औसत दीर्घवधि (एलपीए) से 4 प्रतिशत अधिक है।

(ग) भारी वर्षा की घटनाएं

कितने दिनों के लिए चेतावनी जारी की गई	भारी / बहुत भारी वर्षाकी घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): **392**
	वर्षा के लिए प्रतिशत सटीकता (%में)> 64.4 मिमी
दिन 1/24 घंटे	87%
दिन 2/48 घंटे	88%
दिन 3/72 घंटे	88%

(घ) तापमान परिदृश्य :- संपूर्ण देश के लिए महीने का औसत तापमान 28.05^{0}Cतापमान था। यह सामान्य से+74^{0}Cतापमान अधिक था। माह के दौरान देश के मैदानी भागों में 26सितम्बर, 2020 को अजमेर (पूर्वी राजस्थान) में उच्चतर अधिकतम तापमान 43.8^{0}C रिकार्ड किया गया ।

(ङ)गरजना और ओलावृष्टि गतिविधि :- माह के दौरान (30.09.2020 को 0830 आईएसटी) तक गरजना और ओलावृष्टि की घटनाएं निम्नानुसार दर्ज की गई।

क्रम संख्या	**क्षेत्र**	**टीएस दिन**	**अधिकतम गरजना और ओलावृष्टि की तारीख**	**ओलावृष्टि की घटनाएँ**	**गरजना की घटनाएँ**
1.	दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत	-	--	शून्य	शून्य
2.	उत्तरी पश्चिमी भारत	-	--	शून्य	शून्य
3.	पूर्वोत्तर भारत	-	--	शून्य	शून्य
4.	पूर्वी भारत	-	--	शून्य	06 (18/09/20, 19/09/20और 29/09/20को पोर्ट ब्लेयर)
5.	मध्य भारत	-	--	शून्य	शून्य
6.	पश्चिम भारत	-	--	शून्य	शून्य

जारी किए गए बुलेटिन/ चेतावनी /प्रेस विज्ञप्तियां:-

अखिल भारतीय मौसम बुलेटिन- 120 (प्रतिदिन चार बार जारी की जाती हैं), अखिल भारतीय मौसम अनुमान और प्रतिकूल मौसम चेतावनी - 120 (प्रतिदिन चार बार जारी की जाती हैं), अखिल भारतीय साप्ताहिक मौसम रिपोर्टें-4 (प्रत्येक बृहस्पतिवार को जारी की जाती है) पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए प्रतिकूल मौसम चेतावनियों सहित पर्वत मौसम पूर्वानुमान बुलेटिन-60, समुद्री मौसम बुलेटिनं; 60, उतरी हिंद महासागर के लिए उष्णकटिबंधीय मौसम आउटलुक-30, प्रतिकूल मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम बुलेटिन-30 द.प. मानसून 2020 के वापस लौटने के संबंध में-1,देश के विभिन्न भागों में सघन वर्षा गतिविधि से संबंधित -3, अगले दो सप्ताहों से वर्तमान मौसम की स्थिति और आउटलुक से संबंधित-4, द.प. मानसून ऋतुवार निष्पादन से संबंधित-1

प्रकाशन और परिचालन रिपोर्टें :-

(i) दैनिक अखिल भारतीय मौसम सारांश और साप्ताहिक मौसम रिपोर्टे नियमित आधार पर निकाला जा रहा है।

(ii) पॉच(5) साप्ताहिक और संचयी मानक वर्षा सूचकांक (एसपीआई) मानचित्रों को 02,09,06,23 ओर 30सितम्बर, 2020 को समाप्त होने वाली सप्ताहों के लिए तैयार किया गया और आईएमडी पुणे की वेवसाइट पर अपलोड किया गया।

(iii) ग्रिडेड मानकीकृत वर्षा सूचकांक (SPI) और मानकीकृत वर्षा वाष्पोत्सर्जन सूचकांक (SPEI) 0.5 * 0.5 डिग्री विभेदन पर 4 साप्ताहिक 1,2,3 और 4 मासिक समय के पैमाने पर गणना की गई । IMD पुणे की वेबसाइट पर एक ही समय सीमा के नक्शे साप्ताहिक आधार पर अपलोड किए जा रहे हैं।

(iv) जून, 2020 के लिए भारत के जलवायु नैदानिक बुलेटिनें जारी किए गए और इसे आईएमडी पुणे की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

(v) सितम्बर, 2020 के लिए ईएनएसओ बुलेटिन और सितम्बर से दिसम्बर माह, 2020 के लिए दक्षिणी एशिया मौसमी जलवायु आउटलूक जारी किया गया। (Quick Link: www.imdpune.gov.in/clim_pred_LRF_New/Products.html)

भूकंपीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	**लक्ष्य**	**अब तक कितने प्रारंभ किए गए**	**महीने के दौरान डेटा रिपोर्टिंग**
भूकंपीय स्टेशन	115	115	100
जीपीएस स्टेशन	40	20#	18

40 में से 20 VST से जुड़े हैं, शेष 20 स्टैंडअलोन मोड में चल रहे हैं।

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप:: भारतीय क्षेत्र में 115भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 5 भूकंप /5.0 की तीव्रता (एम) से अधिक के थे।
सुनामी **:** सुनामी उत्पन्न करने की क्षमता वाले 3 समुद्रतलीय भूकंप (एम>6)।घटनाओं के घटित होने के 12 मिनट से भी कम समय में जानकारी दी गई थी।

समुद्रप्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफार्म का प्रकार	लक्ष्य	सितम्बर, 2020 तक शुरू किए	सितम्बर, 2020 के दौरान डेटा प्राप्त हुआ
अर्गो फ्लोट्स *	200	374	136
मूरेद बुआए	16	19	12
टाइड गेज	36	36	26
उच्च आवृत्ति एचएफ) रडार)	10	12	8
ध्वनिक डॉपलर वर्तमान प्रोफाइलर (ADCP)	20	20	18
सुनामी बुआए	7	7	3
वेव राइडर बॉय	23	16	11

शेष फ़्लोट्स/ड्रिफ्टर्स ने अपना जीवनकाल पूरा कर लिया इसलिए उनसे कोई डेटा प्राप्त नहीं किया जा सकता है ।

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

क्र.सं	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी परामर्शिकाओं की संख्या
1	इंटीग्रेटेड पोटेंशियल फिशिंग ज़ोन (PFZ) एडवाइज़री (सी सर्फेस टेम्परेचर (SST), क्लोरोफिल, पवन)।	24
2	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिका	19
2	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF) तरंग, पवनधारा, एसएसटी, MLD और D20 पूर्वानुमान	30
4.	तात्कालिक वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	30
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	10

इकॉइस ने सितम्बर, 9-11, 2020 के दौरान कर्नाटक, केरल, लक्ष्यद्वीप, तमिलनाडु, ओडिशा, पं.बंगाल और अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह राज्यों के लिए अशांत सागर चेतावनी (1.530 मी उबड़-खाबड़ वाली ऊँचाई, पीक वेव अवधि – 15-19) उपलब्ध कराई।

आउटरीच और जागरुकता

एनसीएमआरडब्ल्यूएफ ने 21-25 सितम्बर, 2020 के दौरान भारतीय वायुसेना के वायु योद्धाओं के लिए 'सांख्यिकीय मौसम पूर्वानुमान ओर डेटा सम्मिश्रण का परिचय'पर पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सभी संस्थानों में हिंदी दिवस और पखवाड़ा आयोजित किया गया। हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई।

महासागर और ध्रुवीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिणी अफ्रीका (ब्रिक्स) कार्यकारी समूह की तीसरी बैठक राष्ट्रीय ध्रुवीय और समुद्री अनुसंधान केंद्र द्वारा 23 सितमबर, 2020 को आयोजित की गई। ब्रिक्स देशों से लगभग 50 प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया और 21 वैज्ञानिक प्रस्तुतियां दी गईं।

एनआईओटी द्वारा 'महासागर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हाल ही में प्रगति से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के विशेषज्ञों ने वार्ताए की। भाग लेने वाले अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में यूनेस्को आईओसी (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन-अंतर सरकारी महासागर आयोग), जापान समुद्री – पृथ्वी विज्ञान और प्रौद्योगिकी एजेंसी (JAMSTEC), संयुक्त राज्य अमेरिका और सिंगापुर के वि. विद्यालय, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रिानिक्स इंजीनियर (IEEE) संस्थान और अपतट और ध्रुवीय इंजीनियर (ISOPE) अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) गृह मंत्रालय नेइंकॉयस, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 01 सितम्बर, 2020 को ''सुनामी जोखिम में कमी और लचीलापन'' पर वेविनार आयोजित किया। इसमें 900 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

विषय विशेषज्ञों (एग्रोमेट) के लिए ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) के तहत ब्लाक स्तर पर ''कृषि परामर्शिकाओं की तैयारी और प्रसारण'' से संबंधित आनलाइन अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 24-30 सितम्बर को आयोजित किया गया। कुल 32 प्रशिक्षुओं ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

चौथे भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) ''मानसून की वापसी'' पर केंद्रित मानसून विचार-विमर्श सेमिनार 21 सितम्बर, 2020 को आयोजित किया गया ।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) द्वारा एक पहल के रूप में एमओईएस और इसके संस्थानों के सहयोग से ''पृथ्वी विज्ञान लोकप्रिय चर्चा'' पर वेविनार सीरीज आयोजित की गई। माह सितम्बर, 2020 में एमओईएस संस्थानों द्वारा कुल 5 वार्ताए की गईं ।

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के 2 वर्ष के लंबे समारोह के भाग के रूप में 16 सितम्बर, 2020 को आईआईटीएम पुणे में ''वर्तमान संदर्भ में गांधी दर्शन की प्रासंगिकता'' पर वेबिनार आयोजित किया गया।

प्रकाशन

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल-अगस्त 2020	सितम्बर, 2020	कुल	अप्रैल-अगस्त, 2020	सितम्बर, 2020	कुल
एट्मोस्फेरिक साइंसेज	102	21	123	4	-	4
ओशन साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी	72	4	76	-	-	-
पोलर साइंसेज	20	11	31	1	-	1
जिओसाइंसेज एण्ड रिसोर्सेज	13	4	17	-	-	-
कुल	207	40	247	5	-	5

पेटेंट: 1

माह के दौरान महासागर अनुसंधान पोत का उपयोग

जलपोत	सागर पर दिन /उपयोग	रखरखाव निरीक्षण / वैज्ञानिक रसद / क्रूज / तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	0	30	0
सागर मंजुशा	0	30	0
सागर तारा	0	30	0
सागर अन्वेशिका	12	18	1
सागर कन्या	05	25	1
सागर सम्पदा	09	21	1

अनुबंध-**II**

सं.एमओईएस/20/01/2017-स्था.
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लाधी रोड
नई दिल्ली-110003

दिनांक: .....अक्तूबर, 2020

प्रमाण पत्र

(सितम्बर, **2020** माह के लिए)

यह प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबधित सभी पदों की विस्तृत स्थिति को सितम्बर, 2020 माह के अन्तिम दिन को एवीएमएस पर अद्यित किया गया है। स्थिति का सारांश इस प्रकार है:

(क)	एवीएमएस में पदों की कुल संख्या	-13
(ख)	आज की तारीख तक भरे गए पदों की संख्या	-12
(ग)	आज की तारीख तक कुल रिक्त पदों की संख्या	-01
(घ)	अतिरिक्त प्रभार वाले पदों की संख्या	-01
(ड़)	अगले छ: माह के दौरान रिक्त रहने वाले पद	-01

(डॉ.विपिन चन्द्र)
सयुक्त सचिव
js@moes.gov.in

****